वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत
तृतीय वर्ष बी.ए.
हिन्दी मुख्य एक्ष्टर्नल

(2022-2023, 2023-2024, 2024-2025 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

प्रश्नपत्र-6 मध्यकालीन एवम् रीतिकालीन कविता Core Course-6 (Total Marks –100)

पाठ्यपुस्तक- 1.भ्रमरगीत सार-सूरदास संपादक-आचार्य रामचंद्र शुक्ल
(नागरी प्रचारिणी सभा, काशी)

2. बिहारी सतसई सार-संपा.अम्बिकाचरण शर्मा-विश्वम्भर 'अरुण'
(प्रकाशक-रंजन प्रकाशन, बांके विलास, सिटी स्टेशन मार्ग, आगरा-3)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1	सगुण-भक्ति धारा की लाक्षणिकताएँ। सूरदास का साहित्यिक परिचय। 'भ्रमरगीत' में वर्णित गोपियों का विरह-वर्णन 'भ्रमरगीत' में वर्णित निर्गुण पर सगुण की विजय।
इकाई-2	'भ्रमरगीत' की गोपियों की वाग्विद्ग्धता 'भ्रमरगीत' का उद्धव 'भ्रमरगीत' की कुब्जा। 'भ्रमरगीत' में श्रीकृष्ण के उद्धव के प्रति वचन।
इकाई-3	रीतिकालः नामकरण और समय-सीमा और प्रमुख विशेषताएँ। रीतिसिद्ध काव्य-धारा की प्रमुख विशेषताएँ। बिहारी का साहित्यिक परिचय। हिन्दी सतसई परंपरा और उसमें 'बिहारी सतसई' का स्थान।
इकाई-4	बिहारी: एक सफल मुक्तककार। 'बिहारी सतसई' में विरह-वर्णन। 'बिहारी सतसई' में नीति, बिहारी की बहुज्ञता,
इकाई-5 (अ)	'भ्रमरगीत' के संवाद, 'भ्रमरगीत' की भाषा,
(ब)	बिहारी की भाषा,शैली-बिहारी की भक्ति,भावना-'बिहारी सतसई' में प्रकृति-चित्रण।
अंक-विभाजन-	इकाई-1, 2, 3 और 4 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (20×4=80 अंक) इकाई 5 (अ) और (ब) से एक-एक टिप्पणी का प्रश्न (10×2=20 अंक)

सहायक ग्रंथ-

१. भक्तिकाव्य का समाजशास्त्र-प्रेमशंकर
२. भक्तिकाव्य की भूमिका- प्रेमशंकर
३. सूरदास-हरवंसलाल शर्मा (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)
४. सूर-साहित्य- आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

Date: 06/05/2022

५. महाकवि सूरदास-नंददुलारे वाजपेयी

६. सूर साहित्य की भूमिका-रामरतन भटनागर-वाचस्पति त्रिपाठी(रामनारायण लाल, इलाहाबाद)

७. सूरदास और उनका साहित्य-स्वामी आनंद कुलश्रेष्ठ

८. सूरदास-ब्रजेश्वर वर्मा (नेशनल बुक ट्रस्ट)

९. सूरदास (प्रकाशक-प्रकाशन विभाग, सूचना और प्रसारण विभाग,भारत सरकार, नई दिल्ली)

१०. हिन्दी साहित्य का इतिहास-रामचंद्र शुक्ल

११. हिन्दी साहित्य का आदिकाल-हजारीप्रसाद द्विवेदी

१२. हिन्दी साहित्य का इतिहास. डॉ.नगेन्द्र

१३. हिन्दी साहित्य का अतीत-१-२ -विश्वनाथप्रसाद मिश्र

१४. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास-डॉ.बच्चन सिंह

१५. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास-१-२ -डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त

१६. रीतिकालीन साहित्य कोश-विजयपाल सिंह

१७. बिहारी:एक मूल्यांकन-डॉ.हरिचरण शर्मा

१८. बिहारी रत्नाकर-जगन्नाथदास रत्नाकर

++++++++++++++++

प्रश्नपत्र-7 गद्य-विधाएँ Core Course-07 (Total Marks –100)

पाठ्यपुस्तक- **1.हिन्दी गद्य-प्रभाकर-डॉ.हिरण्मय** (शिक्षा भारती, कश्मीरी गेट, दिल्ली)
2.तेभ्यः स्वधा -नीरजा माधव (प्रभात प्रकाशन, दिल्ली)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1 अलबम-श्रीसुदर्शन (कहानी)
गंगा-श्री रामप्रसाद घिल्डियाल पहाड़ी (निबंध)
महात्मा गांधी-श्री सत्यकाम विद्यालंकार (जीवनी)
कदम्ब के फूल-सुभद्राकुमारी चौहान (कहानी) का अध्ययन।

इकाई-2 महात्मा सुकरात-श्री विश्वंभरनाथ पाण्डेय
जीवन की तीन प्रधान बातें-आचार्य विनोबा भावे (लेख)
ताज़-डॉ.रघुवीर सिंह (निबंध)
लोकनायक तुलसीदास-आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी (लेख) का अध्ययन।

इकाई-3 नीरजा माधव का सामान्य परिचय
उपन्यासः शब्द, परिभाषा, तत्त्व और विशेषताएँ
'तेभ्यः स्वधा' का कथानक-मूल्यांकन
'तेभ्यः स्वधा': **विस्थापन की त्रासदी की कथा।**

इकाई-4 'तेभ्यः स्वधा' में विभाजन के समय मारे गए हिन्दुओं के पिंडदान और तर्पण की कथा।
'तेभ्यः स्वधा' की मीना से अमीना, 'तेभ्यः स्वधा' के गौण पात्र।

Date: 06/05/2022

इकाई-5 (अ) भारत एक है-रामधारी सिंह 'दिनकर' (निबंध)
जापान में क्या देखाश्री भदंत आनंद कौशल्यायन-
बुढापा(निबंध) श्री पाण्डेय बेचन शर्मा उग्र-
बड़े भाई साहब-प्रेमचंद (कहानी) का अध्ययन।

(ब) 'तेभ्यः स्वधा' में संवाद एवम् वातावरण-योजना

'तेभ्यः स्वधा' की भाषा-शैली, 'तेभ्यः स्वधा' का उद्देश्य।

'तेभ्यः स्वधा': शीर्षक की सार्थकता।

अंक-विभाजन-

इकाई 1,2 ,3 और 4 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (20×4=80 अंक)
इकाई 5 (अ) और (ब) 2 से एक-एक टिप्पणी का प्रश्न (10×2=20 अंक)

सहायक ग्रंथ-

१. हिन्दी निबंध-गोविन्दलाल छाबडा
२. हरिशंकर परसाईः व्यंग्य की वैचारिक पृष्ठभूमि-राधेमोहन शर्मा
३. हिन्दी का आधुनिक यात्रा-साहित्य-डॉ.प्रतापपाल शर्मा
४. हरिशंकर परसाई के व्यंग्यों में वर्ग-चेतना-डॉ.आभा भट्ट
५. श्री रामवृक्ष बेनीपुरी-डॉ.रामविलास शर्मा
६. प्रेमचंदः एक विवेचन-डॉ.इन्द्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन प्रा.लि., नई दिल्ली
७. नीरजा माधवः सृजन के आयाम-बृजबाला सिंह (यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन, नई दिल्ली)
८. नीरजा माधव कृत उपन्यास तेभ्य: स्वधा - एक आलोचनात्मक अध्ययन (प्रकाशक – एबीएस पब्लिकेशन, वाराणसी)
९. हिन्दी उपन्यास का इतिहास-डॉ.गोपाल राय (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
१०. समकालीन हिन्दी साहित्यःविविध विमर्श-प्रो.श्रीराम शर्मा (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
११. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास-सामाजिक विघटन और औपन्यासिक प्रतिफल-डॉ.मंजुल गोयल
१२. हिन्दी उपन्यास एक अंतर्यात्रा-रामदरश मिश्र (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)

++++++++++++++++

प्रश्नपत्र-8 भारतीय काव्यशास्त्र एवम् पाश्चात्य साहित्य-सिद्धांत

Core Course-8 (Total Marks –100)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1 काव्य-लक्षण, काव्य-हेतु, काव्य-प्रयोजन, काव्य के प्रकार
काव्य-गुण, काव्य-दोष

इकाई-2 रस, अलंकार, रीति, ध्वनि और वक्रोक्ति सिद्धांतों का सामान्य परिचय
शब्द-शक्ति का परिचय
प्रतीक और मिथकः स्वरूप और महत्व

इकाई-3 साहित्यः परिभाषा, साहित्य और समाज
कविताः परिभाषा, कविता-तत्व, कविताः प्रकार (प्रबंध और प्रगीत)

इकाई-4 समालोचनाः स्वरूप, समालोचनाः प्रकार, आलोचक के गुण
उपन्यासः परिभाषा. तत्त्व और प्रकार

Date: 06/05/2022

नाटकः परिभाषा, तत्त्व और प्रकार
कहानीः परिभाषा, तत्त्व और प्रकार
निबंधः परिभाषा, तत्त्व और प्रकार।

इकाई-5 (अ) निम्नलिखित काव्यालंकारों के लक्षण और उदाहरण-
शब्दालंकार- श्लेष, यमक, अनुप्रास और वक्रोक्ति।
अर्थालंकार-उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, विभावना, मानवीकरण,अन्योक्ति।
छंद,लय और तुक-परिचय
निम्नलिखित छंदों के लक्षण एवम् उदाहरण-
शाब्दिक छंद-दोहा, रोला, सवैया, छप्पय, धनाक्षरी।
मात्रिक छंद- इंद्रवज्रा, मंदाक्रांता, वसंततिलका, शिखरिणी और शार्दूलविक्रीडित।

(ब) प्रमुख हिन्दी आलोचकः परिचयात्मक अध्ययन एवम् योगदान-
1. आचार्य रामचंद्र शुक्ल 2. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. डॉ.नंददुलारे वाजपेयी 4. डॉ.रामविलास शर्मा।

अंक-विभाजन-

इकाई 1,2 ,3 और 4 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (20×4=80 अंक)
इकाई 5 (अ) और (ब) 2 से एक-एक टिप्पणी का प्रश्न (10×2=20 अंक)

सहायक ग्रंथ-

१. हिन्दी आलोचना की बीसवीं सदी-निर्मला जैन
२. रस-चितन के विविध आयाम-सं.आनंदप्रकाश दीक्षित
३. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिन्दी आलोचना-डॉ.रामचंद्र तिवारी
४. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका-डॉ.नगेन्द्र
५. रस-सिद्धांत-डॉ.नगेन्द्र
६. भारतीय एवम् पाश्चात्य काव्य-सिद्धांत-डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त
७. भारतीय काव्यशास्त्रअशोक शाह.डॉ-
८. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांतमधु वसावा.डॉ-
९. पाश्चात्य साहित्य-चितन-सं.निर्मला जैन
१०. हिन्दी आलोचना की बीसवीं सदी-निर्मला जैन
११. रस-चितन के विविध आयाम-सं.आनंदप्रकाश दीक्षित
१२. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिदी आलोचना-डॉ.रामचंद्र तिवारी
१३. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका-डॉ.नगेन्द्र
१४. रस-सिद्धांत-डॉ.नगेन्द्र
१५. पाश्चात्य काव्यशास्त्र-डॉ.भगीरथ मिश्र
१६. साहित्य के प्रमुख पक्ष-डॉ.राममूर्ति त्रिपाठी
१७. भारतीय एवम् पाश्चात्य काव्य-सिद्धांत-डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त
१८. मार्क्सवादी,समाजशास्त्रीय और ऐतिहासिक आलोचना-डॉ.शशिभूषण पांडेय
१९. शास्त्रवादी और स्वच्छंदतावादी साहित्यादर्श और समीक्षा-प्रणाली- पी.वासवदत्ता
२०. हिन्दी आलोचना का विकास-नंदकिशोर नवल
२१. भारतीय एवम् पाश्चात्य काव्यशास्त्र-डॉ.विजयपाल सिंह

++++++++++++++++

Date: 06/05/2022

प्रश्नपत्र-9 प्रादेशिक साहित्य, संविधान तथा संस्कृति Core Course-9 (Total Marks –100)

पाठ्यपुस्तक- 1.**तत्त्वमसि -ध्रुव भट्ट (प्रकाशक-गुर्जर ग्रंथरत्न कार्यालय,अहमदाबाद)**
2.मदनमोहना-शामळ संपादक-अनंतराय रावळ (गुर्जर ग्रंथरत्न कार्यालय, अहमदाबाद)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1 ध्रुवभट्ट का साहित्यिक परिचय
'तत्त्वमसि' का कथानक-मूल्यांकन
'तत्त्वमसि' में चित्रित भारतीय जीवन-मूल्य।
उपन्यास के तत्त्वों के आधार पर 'तत्त्वमसि' का मूल्यांकन।

इकाई-2 'तत्त्वमसि' में वर्णित आदिवासी समाज
'तत्त्वमसि' का नायक
'तत्त्वमसि' की पात्र-सृष्टि- करन, सुप्रिया, ल्युंसी,बितबंगा,गंडुफकीर आदि ।

इकाई-3 शामळ भट्ट का साहित्यिक परिचय
गुजराती पद्य वार्ता काव्य का स्वरूप और विशेषताएँ
'मदनमोहना' का कथानक:मूल्यांकन।
'मदनमोहना' एक पद्य वार्ता के रूप में

इकाई-4 'मदनमोहना' के पुरुष पात्र
'मदनमोहना' के स्त्री पात्र।
'मदनमोहना' में अभिव्यक्त रस
'मदनमोहना' मे गौण-कथाओं का महत्व
'मदनमोहना' में चित्रित समाज।

इकाई-5 (अ) भारत का संविधान
राज्य की कार्यपालिका का गठन।
पाँचवी अनुसूची - [अनुच्छेद 244(1)] - अनुसूचित क्षेत्रों और अनुसूचित जन-जातियों के प्रशासन और नियंत्रण से संबंधित उपबंध।
आठवीं अनुसूची-भाषा-संबंधी उपबंध।

(ब) गुजरात के पर्व और त्योहार- नवरात्रि, जनमाष्ट्मी, मकर संक्रांति, होली, डांगी दरबार, तरणेतर का मेला, माधवराय मेला,भावनाथ मेला-का परिचय

अंक-विभाजन-

इकाई 1,2 ,3 और 4 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (20×4=80 अंक)
इकाई 5 (अ) और (ब) 2 से एक-एक टिप्पणी का प्रश्न (10×2=20 अंक)

सहायक ग्रंथ-

१. कथायोग-नरेश वैद्य
२. उद्देश (पत्रिका) डॉ.प्रफुल्ल देसाई,अंक-सितम्बर,2003
३. अर्वाचीन गुजराती साहित्यनो इतिहास-प्रसाद ब्रह्मभट्ट
४. पद्य वार्ता-डॉ.हसु याज्ञिक
५. गुजराती साहित्यनो मध्यकाळ-अनंतराय रावळ
६. पद्य वार्ताकार शामळ-डॉ.प्रसाद ब्रह्मभट्ट
७. मध्यकालीन गुजराती ज्ञानमार्गी कविता-डॉ.बळवंत जानी

Date: 06/05/2022

८. गुजराती साहित्य कोश (मध्यकाळ)-गुजराती साहित्य परिषद प्रकाशन
९. गुजराती साहित्यनो इतिहास भाग-1-2 गुजराती साहित्य परिषद प्रकाशन
१०. शामळ-डॉ.भरतकुमार ठाकर, आदर्श प्रकाशन, अहमदाबाद
११. पद्यवार्ता-सुमन शाह
१२. https://www.india.gov.in/hi/my-government/constitution-india/constitution-india-full-text

++++++++++++++++

प्रश्नपत्र-10 हिन्दी भाषा और लिपि तथा व्याकरण Core Course-10 (Total Marks –100)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1 वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत, पालि, प्राकृत एवम् अपभ्रंश का सामान्य परिचय।
आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं का सामान्य परिचय
हिन्दी भाषा का उद्गम और विकास
हिन्दी की उपभाषाएँ एवम् बोलियाँ।

इकाई-2 प्रशासन-व्यवस्था और भाषा
भारत की बहुभाषिकता और एक संपर्क भाषा की आवश्यकता
राजभाषा (कार्यालयी हिन्दी) की प्रकृति
हिन्दी कम्प्यूटीकरण
भूमंडलीकरण के परिपेक्ष्य में हिन्दी का भविष्य।

इकाई-3 वर्ण-विचारः 1.वर्णमाला, वर्णों का उच्चारण एवम् वर्गीकरण,
2. उत्पत्ति,जाति एवम् उच्चारण के अनुसार स्वरों के भेदः मूल और संधि,
3.व्यंजन-स्पर्श व्यंजन, बाह्य प्रयत्न के अनुसार भेद।
4.शब्द की परिभाषा एवम् शब्दों का वर्गीकरण

इकाई-4 1. संज्ञाः परिभाषा एवम् भेद
2. सर्वनाम : परिभाषा एवम् भेद
3. विशेषण की परिभाषा एवम् प्रकार
4. क्रिया की परिभाषा एवम् प्रकार

इकाई-5 (अ) राजभाषा विषयक सांविधानिक प्रावधान-
अ. राजभाषा-प्रावधान (अनुच्छेद ३४३ से ३५१),
आ. राष्ट्रपति के आदेश (१९५२, १९५५, १९६०)
इ. राजभाषा अधिनियम १९६३ (यथा संशोधित १९६७)
ई. राजभाषा संकल्प (१९६८) यथानुमोदित (१९९१)
उ. राजभाषा नियम १९७६

(ब) ऊ. कारक का परिचय।
ए.क्रिया के काल –परिचय एवम् प्रकार।
ऐ.लिंग एवम् वचन का परिचय।

Date: 06/05/2022

अंक-विभाजन-

इकाई 1,2 ,3 और 4 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (20×4=80 अंक)
इकाई 5 (अ) और (ब) 2 से एक-एक टिप्पणी का प्रश्न (10×2=20 अंक)

सहायक ग्रंथ-

१. हिन्दी भाषा का इतिहास-डॉ.भोलानाथ तिवारी
२. हिन्दी भाषा का उद्गम और विकास-उदयनारायण तिवारी
३. राजभाषा हिंदीःप्रगति और प्रयाण-सं.इकबाल अहमद
४. मानक हिन्दी व्याकरण-पृथ्वीनाथ पांडेय
५. राजभाषा हिन्दी-कैलाशचंद्र भाटिया
६. राजभाषा का स्वरूप-कैलाशचंद्र भाटिया
७. हिंदी व्याकरण-पं.कामताप्रसाद गुरू, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
८. हिंदी व्याकरण मीमांसा-काशीराम शर्मा
९. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण-डॉ.हरदेव बाहरी,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१०. हिन्दी रूप-रचना भाग-1-2- लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

++++++++++++++++

प्रश्नपत्र-11 प्रयोजनमूलक हिन्दी Core Course-11 (Total Marks –100)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1 प्रयोजनमूलक हिन्दीः अभिप्राय और उसकी परिव्याप्ति
प्रयोजनमूलक हिन्दीः प्रयुक्तियाँ और उसके प्रयोगात्मक क्षेत्र
रोजगार के क्षेत्र में प्रयोजनमूलक हिन्दी की संभावनाएँ।
संक्षेपण और टिप्पण।

इकाई-2 प्रयोजनमूलक हिन्दी और पारिभाषिक शब्दावली
प्रशासनिक हिन्दी और उसकी शब्दावली
प्रशासनिक पत्राचार और उसके प्रकार
कार्यालयी प्रयोजनों में विभिन्न यांत्रिक उपकरणों का प्रयोग-कम्प्यूटर, लैपटॉप,टैबलेट,टेली प्रिंटर,टेलेक्स, वीडियो कान्फ्रेसिंग।

इकाई-3 शिक्षण माध्यम-भाषा, संचार भाषा,सर्जनात्मक भाषा।
हिन्दी का वैज्ञानिक एवम् तकनीकी रूप।
हिन्दी के संवर्धन में प्रयोजनमूलक हिन्दी की भूमिका।
प्रयोजनमूलक हिन्दी की विशेषताएँ या गुण।

इकाई-4 अनुवाद की अवधारणा, उसका महत्व और विभिन्न सिद्धांत।
अनुवादक का महत्व और सफल अनुवादक के लक्षण।
हिन्दी में मीडिया लेखन
जनसंचार-माध्यमः अभिप्राय, स्वरूप और विस्तार
जनसंचार-माध्यमों के प्रकार।

इकाई-5 (अ) समाचार-लेखन और हिन्दी
संवाद-लेखन और हिन्दी
रेडियो-लेखन और हिन्दी
विज्ञापन-लेखन।

(ब) अ.प्रशासनिक पदनाम- Accountant, Advisor, Administrator, Announcer, Calculator, Chancellor, Clerk, Collector, Copyist, Editor, Enquiry Clerk, Gate Keeper,

Date: 06/05/2022

Guide, Hostess, In Charge, Inspector, Instructor, Justice, Medical Officer, Peon, Registrar, Surveyor, Translator, Typist, Worker.

ब.अनुभागों के नाम-Department Agriculture, Department Co -Operation, Department Community Development, Department Communications, Department Company Law & Insurance, Department Cottage Industries, Department Economic Affairs, Department Family Planning, Department Food, Department Iron & Steel, Department Labour and Employment, Department Light House, Department Legal Affairs, Department Meteorological, Department Port, Department Post & Telegraphs, Department Parliamentary Affairs, Department Printing & Stationery, Department Petroleum, Department Revenue, Department Sales Tax, Department statistics, Department Social Welfare, Department Tourism, Department Transport & Shipping.

अंक-विभाजन- इकाई 1,2 ,3 और 4 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (20×4=80 अंक)
इकाई 5 (अ) एक-एक टिप्पणी का प्रश्न (दो विकल्प में से एक) (10×1=10 अंक) और इकाई 5 (ब) से पदनाम-अनुभागों पर आधारित दस प्रश्न (10×1=10 अंक)

सहायक ग्रंथ-

१. प्रयोजनमूलक हिन्दीः संरचना एवम् अनुप्रयोग-दिनेश गुप्त
२. प्रयोजनमूलक हिन्दी-दिनेश गुप्त
३. प्रयोगात्मक और प्रयोजनमूलक हिन्दी-दिनेश गुप्त
४. व्यावसायिक संप्रेषण-डॉ.अनूपचंद्र भायाणी
५. प्रयोजनमूलक हिन्दीः पारिभाषिक शब्दावली तथा टिप्पण प्रारूपण-डॉ.मधु धवन
६. प्रामाणिक आलेखन और टिप्पण-प्रो.विराज
७. शुद्ध हिन्दी-डॉ.विजयपाल सिंह
८. प्रशासनिक एवम् कार्यालयी हिन्दी-डॉ.रामप्रकाश एवम् डॉ.दिनेशकुमार
९. राजभाषा हिन्दी और राजकीय पत्र-व्यवहार-घनश्याम अग्रवाल
१०. हिन्दी भाषा और भाषा-विज्ञान-डॉ.अशोक शाह
११. अनुवाद-बोध - डॉ.गार्गी गुप्त
१२. अनुवाद-विज्ञान- डॉ.भोलानाथ तिवारी
१३. जनसंचारःविविध आयाम- ब्रजमोहन गुप्त
१४. मीडिया और साहित्य- सुधीश पचौरी
१५. व्यावहारिक अनुवाद- डॉ.एन.ई.विश्वनाथ ऐयर
१६. प्रयोजनपरक हिन्दी- प्रो.सूर्यप्रसाद दीक्षित एवम् डॉ.योगेन्द्र प्रताप सिंह
१७. प्रयोजनमूलक हिन्दीः विविध आयाम- माया सिंह
१८. प्रयोजन मूलक हिन्दी का अध्ययन- डॉ.सुशीला गुप्ता

+++++

Date: 06/05/2022